>

Title: Need for revised Action Plan for conservation of iron and other minerals.

श्री सज्जन वर्मा (देवास): सभापित जी, मध्य पूदेश सहित भारत के तमाम राज्यों में आयरन और लौह अयरक जैसे महत्वपूर्ण खिनज का अकूत भंडार हैं। जिससे लोहें का निर्माण होता हैं। यह लौह अयरक वीन जैसा देश हमारे देश से भयानक मात्रा में लाखों-करोड़ों दन आयात कर रहा हैं। इस लौह अयरक का संरक्षण करना इसिए जरूरी हैं कि लोहा हमारे देश में महंगा होता जा रहा हैं। मकान बनाने से लेकर, कृषि उपकरणों के निर्माण और औद्योगिक इकाईयों में लगने वाला यह लोहा हम निर्यात किये जा रहे हैं। लेकिन चीन जैसा राष्ट्र इसका आयात कर रहे हैं, इसका उपयोग भी कर रहे हैं और बड़े-बड़े पहाड़ इस आयरन और जैसे खिनज के बनाकर रिजर्व कर रहे हैं। हम अपनी सम्पदा लुटा रहे हैं और दूसरे देश उसको रिजर्व कर रहे हैं। कहीं भविष्य में ऐसा न हो कि हमारी यह सम्पदा खत्म हो जाए और हमें चीन जैसे राष्ट्र से दस गुना महंगा फिर से यह खिनज खरीदना पड़े।

इसलिए केन्द्र सरकार से मेरा अनुरोध है कि आयरन ओर जैसे खनिज तथा इस जैसे और खनिजों का संरक्षण जरूर किया जाना चाहिए।

सभापति महोदय : यह बहुत अच्छा सुझाव हैं।